भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1244

11 फरवरी, 2021 को जवाब दिया

ओडिशा में बुनकरों को सुविधाएं

1244. श्री अश्वनी वैष्णव:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा ओडिशा में हथकरघाओं को बढ़ावा देने और हाथ से बनाई गई साड़ियों और अन्य वस्तुओं के विपणन के लिए बुनकरों को क्या-क्या सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं; और

(ख) क्या ओडिशा में वस्त्र पार्क स्थापित किया जा सकता है जहां सभी पारंपरिक बुनकरों को अपनी इकाइयां स्थापित करने की प्राथमिकता दी जाएगी ताकि वे इससे अपना जीवनयापन कर सकें?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क): भारत सरकार हथकरघा बुनकरों के लिए ओडिशा राज्य सहित पूरे भारत में राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) कार्यान्वित कर रही है। बुनकरों को एनएचडीपी के विभिन्न घटकों के तहत दी जाने वाली सुविधाओं का विवरण निम्नानुसार है:

i. हथकरघा विपणन सहायता (एचएमए), घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रदर्शनियां / कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने के लिए हथकरघा बुनकरों / एजेंसियों को विपणन मंच प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान ओडिशा में 14 विपणन कार्यक्रम स्वीकृत किए गए थे।

ii. कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) ने वर्चुअल मोड में 07 अंतर्राष्ट्रीय मेलों का आयोजन किया, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग और बिक्री की सुविधा उपलब्ध हो सके।

iii. भारत की हथकरघा विरासत को बढ़ावा देने और बुनाई और कारीगर समुदायों के लिए लोगों का समर्थन सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न ई-कॉमर्स व्यापारियों द्वारा भारतीय हथकरघा उत्पादों की बिक्री में वृद्धि की सूचना के साथ सरकार द्वारा सभी हितधारकों की साझेदारी से छठवें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर सोशल मीडिया अभियान #वोकल4हैंडमेड (#Vocal4handmade) की शुरूआत की गई थी।

iv. अगस्त-अक्टूबर 2020 के दौरान, बुनकरों को उनके कल्याण और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विभिन्न हथकरघा योजनाओं के लाभ के लिए शिक्षित करने हेतु 534 चौपालों में से 18 चौपालों का आयोजन ओडिशा राज्य में किया गया था।

v. हथकरघा बुनकरों / कारीगरों / उत्पादकों को अपने उत्पाद सीधे विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों को बेचने में सक्षम बनाने के लिए, ओडिशा के 5900 से अधिक बुनकरों और हथकरघा कंपनियों को सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जीईएम) पोर्टल पर ऑन-बोर्ड किया गया है।

vi. हथकरघा क्षेत्र में डिजाइन-उन्मुख उत्कृष्टता का निर्माण करने के उद्देश्य से बुनकर सेवा केंद्र, भुवनेश्वर में एक डिज़ाइन संसाधन केंद्र की स्थापना की गई है।

vii. बुनकरों को हथकरघा उत्पादों को बेचने के लिए ओडिशा राज्य के तोशली मेला और दिल्ली हाट, नई दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित विभिन्न शिल्प मेलों में भाग लेने की सुविधा प्रदान की गई है।

viii. बुनकरों / कामगारों के लिए विभिन्न हथकरघा योजनाओं के लाभों का विस्तार करने और बुनकरों और शिल्पकारों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ओडिशा में 8 उत्पादक कंपनियों के गठन की सुविधा प्रदान की गई थी।

ix. हथकरघा क्षेत्र में बुनकरों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की पहचान के लिए हथकरघा उत्पाद की बुनाई, डिजाइन और विकास तथा विपणन के क्षेत्र में संत कबीर पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार, राष्ट्रीय श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाता है।

x. पर्यावरण पर शून्य दोष और शून्य प्रभाव के साथ उच्च गुणवत्ता, प्रामाणिक पारंपरिक डिजाइनों वाले हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु उच्च गुणवत्ता वाले हथकरघा उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 'इंडिया हैंडलूम' ब्रांड (आईएचबी) की शुरूआत की गई थी। हैंडलूम मार्क को भी बढ़ावा दिया जाता है जो यह आश्वासन देता है कि उत्पादों को हाथ से बनाया गया है। जीआई अधिनियम, 1999 के तहत जीआई-पंजीकृत हथकरघा उत्पादों को भी बढ़ावा दिया जाता है।

xi. हथकरघा उत्पादों की ऑन-लाइन मार्केटिंग के लिए 23 ई-कॉमर्स इकाइयां कार्यरत हैं।

xii. वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2020-21 (जनवरी 2021 तक) के दौरान, एनएचडीपी के तहत 11 ब्लॉक स्तरीय क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं।

xiii. रियायती ऋण / बुनकर मुद्रा योजना के तहत, वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2020-21 (जनवरी 2021 तक) के दौरान, 1503 लाभार्थियों को रियायती दर पर 7.89 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

(ख): ओडिशा राज्य में वस्त्र पार्क की स्थापना संबंधी कोई प्रस्ताव वस्त्र मंत्रालय के पास लंबित नहीं है।

***